Drishti IAS

# करेंट अफ़ेयर्स

## झारखण्ड

(संग्रह)

## मार्च 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

# अनुक्रम


**झारखंड .....3**

- झारखंड सरकार का अनुपूरक बजट ..... 3
- झारखंड बजट 2025-26..... 4
- बोकारो में बर्ड फ्लू का प्रकोप..... 4
- जमशेदपुर में मुफ्त जल कनेक्शन..... 6
- मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना..... 6



दृष्टि The Vision

**दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें**

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

# झारखण्ड

## झारखंड सरकार का अनुपूरक बजट

### चर्चा में क्यों ?

**झारखंड सरकार ने चल रहे 20 दिवसीय बजट सत्र** के दौरान विधानसभा में **5,508 करोड़ रुपए की अनुपूरक मांगें** प्रस्तुत कीं।

### मुख्य बिंदु

- **अनुपूरक बजट में प्रमुख आवंटन:**
  - **ऊर्जा विभाग को** सबसे अधिक 971.80 करोड़ रुपए का आवंटन प्राप्त होगा।
  - **ग्रामीण निर्माण विभाग के लिये** 873.29 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।
  - **गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग को** 502.61 करोड़ रुपए आवंटित किये गये हैं।
  - **पेंशन विभाग को** 500 करोड़ रुपए मिलने का प्रस्ताव है।
  - **स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को** 393.93 करोड़ रुपए मिलने की संभावना है।
- **मैय्या सम्मान योजना पर विधानसभा में बहस:**
  - **विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान मैय्या सम्मान योजना** पर बहस हुई।
    - योजना के अंतर्गत लाभ हस्तांतरण में देरी पर सवाल उठाया गया।
  - यह आश्वासन दिया गया कि जनवरी और फरवरी 2025 के भुगतान 15 मार्च, 2025 तक जमा कर दिये जाएंगे।
- **मैय्या सम्मान योजना: योजना विवरण और चिंताएँ**
  - झारखंड सरकार **अगस्त 2024 में शुरू की गई** माई **सम्मान योजना** के तहत 56 लाख से अधिक महिला लाभार्थियों को **2,500 रुपए प्रति माह** प्रदान करती है।
    - हालाँकि, **लाभार्थियों को जनवरी और फरवरी, 2025 के लिये भुगतान नहीं मिला है।**
  - यह प्रश्न उठाया गया कि क्या **विधवाओं और शारीरिक रूप से विकलांग महिलाओं,** जिन्हें **1,000 रुपए प्रति माह पेंशन मिलती है,** को भी इस योजना के अंतर्गत शामिल किया जाएगा।
    - उन्होंने असमानता की ओर ध्यान दिलाया कि **केवल 18-50 वर्ष की आयु वाली महिलाओं को ही माय सम्मान योजना का लाभ मिलता है,** जबकि **विधवाओं और विकलांग महिलाओं को केवल 1,000 रुपए प्रति माह मिलते हैं।**
- **विधवा के लिये समर्थन:**
  - इस बात पर प्रकाश डाला गया कि राज्य सरकार ने **विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना** नामक **विधवा पुनर्विवाह प्रोत्साहन योजना शुरू की है।**
  - इस योजना के तहत **विधवाओं को एकमुश्त 2 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

# झारखंड बजट 2025-26

## चर्चा में क्यों ?

**झारखंड सरकार ने** राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **1.45 लाख करोड़ रुपए का बजट** पेश किया।

## मुख्य बिंदु

- **बजट आवंटन और प्रमुख योजना:**
  - महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये **झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना ( JMMSY )** के लिये 13,363.35 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं ।
- **आर्थिक विकास और राजकोषीय घाटा:**
  - राज्य की **अर्थव्यवस्था 2025-26 में 7.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है।**
  - आगामी वित्त वर्ष के लिये राजकोषीय घाटा 11,253 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।
  - सामाजिक क्षेत्र के लिये 62,844 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।
  - 2023-24 में झारखंड का सकल राज्य घरेलू उत्पाद ( GSDP ) **लगभग 4.6 ट्रिलियन रुपए था।**
  - सरकार का लक्ष्य 2029-30 तक GSDP को 10 ट्रिलियन रुपए तक बढ़ाना है।
- **स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा पहल:**
  - बजट में सात नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना शामिल है: राँची, खूंटी, गिरिडीह, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर और जामताड़ा।
  - सरकार ने जमशेदपुर, गुमला और साहिबगंज में नए विश्वविद्यालय खोलने की योजना की भी घोषणा की।
- **केंद्र के साथ वित्तीय विवाद:**
  - राज्य सरकार केंद्र सरकार से 1.36 लाख करोड़ रुपए का बकाया वसूलने के लिये कानूनी कार्रवाई शुरू करने की योजना बना रही है।

### झारखंड मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना ( JMMSY )

- यह योजना **3 अगस्त, 2024 को शुरू की गई थी।** इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की **पात्र महिलाओं को 1,000 रुपए दिये जाएंगे।**
- प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के माध्यम से हर वर्ष सभी पात्र महिलाओं के बैंक खातों में कुल 12,000 रुपए भेजे जाएंगे।
- दिसंबर 2024 से **वित्तीय सहायता बढ़ाकर 2,500 रुपए प्रति माह कर दी गई।**

# बोकारो में बर्ड फ्लू का प्रकोप

## चर्चा में क्यों ?

एक अधिकारी ने झारखंड के **बोकारो ज़िले में** बर्ड फ्लू **के प्रकोप** की सूचना दी, लगभग एक महीने पहले इस **बीमारी के कारण रांची में 5,500 पक्षियों को मार दिया गया था।**

- केंद्र ने 7 मार्च 2025 को **झारखंड के मुख्य सचिव को एक पत्र जारी करके** एवियन इन्फ्लूएंजा **के H5N1 स्ट्रेन** के कारण होने वाले प्रकोप की पुष्टि की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

## मुख्य बिंदु

- **प्रकोप की उत्पत्ति:**
  - अधिकारियों ने पता लगाया कि यह बीमारी बोकारो के सेक्टर 12 स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में फैली है, जहाँ **पहले ही लगभग 250 पक्षी मर चुके थे।**
- **रोकथाम के उपाय:**
  - 8 मार्च 2025 को बोकारो प्रशासन ने केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के निर्देशों का पालन करते हुए **46 पक्षियों को मार दिया और 506 अंडों को नष्ट कर दिया।**
  - अधिकारियों ने 1,717 किलोग्राम पोल्ट्री फीड भी नष्ट कर दिया तथा आगे प्रसार को रोकने के लिये **पूरे फार्म को संक्रमण मुक्त कर दिया।**
- **प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित:**
  - **प्रभावित फार्म के चारों ओर 1 किलोमीटर की परिधि को संक्रमित क्षेत्र घोषित किया गया है,** जहाँ सभी पक्षियों को मार दिया जाएगा।
  - **10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित कर दिया गया है,** जिसमें मुर्गी की बिक्री और खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
  - अधिकारियों ने **जनता को सूचित करने के लिये जागरुकता अभियान शुरू किया है।**
- **झारखंड में बर्ड फ्लू के मामले:**
  - इससे पहले फरवरी 2025 में राँची के बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (BAU) में बर्ड फ्लू का प्रकोप सामने आया था, जिसके कारण 5,488 पक्षियों को मार दिया गया था।

## H5B1 बर्ड फ्लू क्या है?

- **पृष्ठभूमि:**
  - **एवियन इन्फ्लूएंज़ा A( H5N1 ) अथवा H5B1 बर्ड फ्लू** एक अत्यधिक रोगजनक जीवाणु है जो मुख्य रूप से पक्षियों में संचरित होता है किंतु स्तनधारियों को संक्रमित कर सकता है।
  - H5N1 की उत्पत्ति वर्ष 1996 में **चीन** में एक जीवाणु के प्रकोप से हुई और तेज़ी से एक अत्यधिक रोगजनक प्रभेद (Strain) में विकसित हुआ।
  - वर्ष 2020 के बाद से, यह **यूरोप, अफ्रीका, एशिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका** और **अंटार्कटिका** में फैल गया।
  - भारत में वर्ष 2015 में महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में H5N1 संक्रमण का पहला मामला दर्ज किया गया।
- **पशुओं पर प्रभाव:**
  - वन्य पक्षी, जिनमें **कैलिफोर्निया कोंडोर** जैसी संकटापन्न जातियाँ भी शामिल हैं, H5N1 से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।
  - इसके प्रभावित होने वाली मुख्य प्रजाति मुर्गी थी।
  - **सी-लायन्स और डॉल्फिन** जैसे समुद्री स्तनधारियों को चिली तथा पेरू जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मौत का सामना करना पड़ा है।
  - **उत्तरी अमेरिका में लोमड़ी, प्यूमा, भालू** जैसे स्तनधारी और स्पेन व फिनलैंड में फार्म मिंक भी संक्रमित हो गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

## जमशेदपुर में मुफ्त जल कनेक्शन

### चर्चा में क्यों ?

जमशेदपुर **अधिसूचित क्षेत्र समिति ( JNAC ) ने जमशेदपुर** में गरीबी रेखा से नीचे ( BPL ) रहने वाले परिवारों को **मुफ्त जल कनेक्शन** उपलब्ध कराने के लिये एक महत्त्वपूर्ण पहल की घोषणा की है।

- **इसके अतिरिक्त, इन परिवारों को पानी के शुल्क** पर **50% की छूट** मिलेगी, जिससे आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिये पानी अधिक सुलभ हो जाएगा।

### मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य :**
  - यह पहल सरकार के **'हर घर स्वच्छ जल' अभियान के अनुरूप है,** जिसका उद्देश्य शहर में जीवन स्तर में सुधार लाना और जल प्रबंधन को सुदृढ़ करना है।
- **विशेष टीम का गठन :**
  - प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिये, **JNAC** ने **विशेष अधिकारी, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, राजस्व अधिकारी** और **नगर प्रबंधक** जैसे अधिकारियों वाली **पाँच सदस्यीय विशेष टीम का गठन किया है।** इस टीम को पात्र BPL परिवारों की पहचान करने और योजना में उनके नामांकन की सुविधा प्रदान करने का काम सौंपा गया है।
- **घर-घर जाकर पहचान :**
  - विशेष टीम **पात्र BPL परिवारों की** पहचान करने और उनकी सहायता करने के लिये **घर-घर जाएगी** तथा यह सुनिश्चित करेगी कि लाभ इच्छित प्राप्तकर्ताओं तक पहुँचे।
- **वित्तीय बोझ कम करना:**
  - **इस विकास से कम आय वाले परिवारों को कम लागत पर आवश्यक जल सेवाएँ** प्रदान करके उन पर वित्तीय बोझ कम होने की उम्मीद है।

**नोट:** जमशेदपुर **अधिसूचित क्षेत्र समिति ( JNAC ) की स्थापना बिहार सरकार की अधिसूचना संख्या 6068** द्वारा **25 जून, 1924** को की गई थी। यह जमशेदपुर शहर के लिये **नागरिक निकाय के रूप में कार्य करता है** और स्वच्छता बनाए रखने के लिये झारखंड में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

## मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना

### चर्चा में क्यों ?

झारखंड सरकार ने घोषणा की है कि **मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत** जिन महिलाओं के बैंक खाते **आधार से लिंक नहीं हैं, उन्हें भी जनवरी, फरवरी और मार्च 2025** के महीनों के लिये **7,500 रुपए** का एकमुश्त भुगतान मिलेगा।

### मुख्य बिंदु

- **अस्थायी प्रावधान :** आधार लिंकेज के बिना भुगतान की अनुमति देने वाला प्रावधान अस्थायी है और यह **मार्च 2025 तक ही वैध रहेगा।**
  - इस अवधि के बाद भी सहायता प्राप्त करना जारी रखने के लिये, लाभार्थियों को अपने बैंक खातों को आधार से जोड़ना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका एक ही खाता हो।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **कैबिनेट की मंज़ूरी** : **मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन** की अध्यक्षता में **झारखंड राज्य कैबिनेट ने** एक बैठक के दौरान इस संशोधन को मंज़ूरी दी, जिसमें 18 प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई।
- **लाभार्थी आँकड़े** : लगभग **38 लाख महिलाओं को 2025** की **पहली तिमाही** के लिये **₹7,500 का भुगतान** पहले ही मिल चुका है। अतिरिक्त **20 लाख महिलाएँ,** जिनके बैंक खाते अभी तक **आधार से जुड़े नहीं हैं या जिनके पास एक से ज़्यादा खाते हैं, उन्हें 31 मार्च, 2025** तक भुगतान मिल जाएगा।
- **भविष्य में अनुपालन की आवश्यकता** : मार्च 2025 के बाद भी योजना का लाभ लेना जारी रखने के लिये, लाभार्थियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बैंक खाते आधार से जुड़े हों और वे एक ही बैंक खाता संचालित करते हों। अनुपालन न करने पर अप्रैल 2025 से वित्तीय सहायता बंद हो जाएगी।

## मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना

मुख्यमंत्री **मैया सम्मान योजना झारखंड सरकार द्वारा** राज्य में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को **वित्तीय सहायता** प्रदान करने के लिये शुरू की गई एक कल्याणकारी पहल है।

- इस योजना के अंतर्गत पात्र महिलाओं को उनके **स्वास्थ्य, पोषण** और **समग्र कल्याण के लिये प्रति माह 2,500 रुपए** सीधे उनके बैंक खातों में दिये जाते हैं।

## मुख्य विशेषताएँ:

- **उद्देश्य:**
  - इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को **वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करके** तथा **उनके जीवन स्तर में सुधार लाकर उन्हें सशक्त बनाना है।**
  - लाभार्थियों को यह सुनिश्चित करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि उनके **बैंक खाते आधार से जुड़े हों ताकि धनराशि का निर्बाध हस्तांतरण हो सके।**
- **मासिक वित्तीय सहायता:**
  - लाभार्थियों को प्रति माह ₹2,500, अर्थात कुल ₹30,000 वार्षिक मिलते हैं।
- **पात्रता मापदंड:**
  - **केवल झारखंड की स्थायी निवासी** महिलाएँ ही इस योजना का लाभ उठा सकती हैं।
  - महिला की आयु **21 वर्ष से कम और 50 वर्ष** से अधिक नहीं होनी चाहिये।
  - यह आयु सीमा इसलिये तय की गई है ताकि योजना का लाभ कामकाज़ी **आयु वर्ग की महिलाओं तक पहुँच सके।**
  - इस योजना का लाभ केवल उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिनके **परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए से कम** है।
  - महिला के परिवार का नाम **झारखंड राज्य अंत्योदय अन्न योजना के तहत पंजीकृत होना चाहिये। केवल गुलाबी, पीले, सफेद** और **हरे** राशन कार्ड वाली महिलाएँ ही इस योजना के तहत आवेदन करने के लिये पात्र हैं।
  - आवेदन करने वाली महिला का बैंक खाता **आधार से जुड़ा होना चाहिये।** इससे यह सुनिश्चित होगा कि योजना की राशि सीधे लाभार्थी के खाते में जमा हो।
- **आवेदन प्रक्रिया:**
  - **ऑफलाइन:** प्रारंभ में, आवेदन पंचायत स्तर पर आयोजित विशेष शिविरों के माध्यम से ऑफलाइन स्वीकार लिये जाते थे।
  - **ऑनलाइन:** सरकार ने आवेदन के लिये **ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है।** इच्छुक महिलाएँ आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकती हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME